भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5046** जिसका उत्तर

गुरूवार, **25 मार्च**, 2021/4 चैत्र, 1943 (शक) को दिया जाना है

एलपीजी के परिवहन हेतु एमओयू

†5046. **श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:**

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री चंद्र शेखर साहू:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय जलमार्ग-1 और 2 पर बार्जों (नौकाओं) के माध्यम से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलपीजी) के परिवहन हेतु एमओएल (एशिया ओशिनिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ किसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एमओएल समूह दुनिया की सबसे बड़ी गैस वाहक कंपनी है और यह 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत समर्पित एलपीजी बार्जों (नौकाओं) के निर्माण और प्रचालन हेतु निवेश कर रही है;

(ग) यदि हां, तो उक्त कंपनी द्वारा किए जाने वाले निवेशों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या एजीएस समूह/दुनिया का भंडारण टर्मिनलों, जेट्टी और टर्मिनलों के बीच समर्पित पाइपलाइनों की स्थापना और बार्जों से उत्पादों की निकासी के लिए जेट्टी पर आवश्यक अवसंरचनाओं के निर्माण हेतु निवेश का भी विचार है;

(ङ) यदि हां, तो एलपीजी का ढुलाई हेतु उक्त कंपनियों के साथ कौन से निबंधन एवं शर्तें निर्धारित की गई हैं; और

(च) देश में एलपीजी के भंडारण टर्मिनलों की स्थापना और पाइपलाइन बिछाने हेतु निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क): राष्ट्रीय जलमार्गों में अंतर्देशीय जल परिवहन प्रचालनों को सुगम बनाने के लिए दिनांक 25.02.2021 को एमओएल शिपिंग (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड तथा भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस एमओयू के अनुसार, एमओएल शिपिंग (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड द्वारा अपने कंसोर्टियम साझीदारों एचएएलपीजी (एजिस ग्रुप तथा आईटीओसीएचयू पेट्रोलियम ग्रुप) के साथ मिलकर बेहतर लॉजिस्टिक समाधान, सागरमाला योजना और अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रधान मंत्री उज्जवला (पीएमयूवाई) योजना के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों को बढ़ावा देने के रूप में सरकार की पहलों को सहायता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

(ख) से (ड.): एमओएल ग्रुप ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय को किए गए एक प्रस्तुतीकरण में 800 से अधिक जलयानों वाले विश्व के प्रमुख/सबसे बड़े वाणिज्यिक बेड़ों के संचालन का दावा किया है, जिसमें कंटेनर कैरियर, बल्क कैरियर, वुड चिप कैरियर, टैंकर, एलपीजी कैरियर, एलएनजी कैरियर आदि शामिल हैं। इस ग्रुप द्वारा निवेश के संबंध में रूचि दिखाई गई है। तथापि, एमओएल/एचएएलपीजी अथवा एजिस ग्रुप से ऐसा कोई अंतिम प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(च): तेल विपणन कंपनियों ने सूचित किया है कि देश में एलपीजी आयात और भंडारण टर्मिनलों की स्थापना के लिए निवेश बढ़ाने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

- 690 करोड़ रु. के निवेश से 1.0 एमएमटीपीए की क्षमता तथा 40000 एमटी भंडारण वाले पारादीप एलपीजी आयात टर्मिनल, आईओसीएल का निर्माण शुरू किया गया है।
- 714.25 करोड़ रु. के निवेश से 0.6 एमएमटीपीए की क्षमता तथा 15400 एमटी भंडारण क्षमता वाले कोचीन एलपीजी आयात टर्मिनल, आईओसीएल का निर्माण शुरू किया गया है।
- 730.2 करोड़ रु. के निवेश से 30000 एमटी के अतिरिक्त भंडारण के प्रावधान के साथ कांडला एलपीजी आयात टर्मिनल, आईओसीएल की क्षमता को 2.5 एमएमटीपीए तक संवर्धित करने का कार्य शुरू किया गया है।
- 800 करोड़ रु. के निवेश से मंगलौर एलपीजी आयात टर्मिनल, एचपीसीएल की एलपीजी भंडारण सुविधा को 80000 एमटी तक भंडारण संवर्धन करने का कार्य शुरू किया गया है।
- 2380 करोड़ रु. के निवेश से एचपीसीएल द्वारा दाहेज में 5 एमएमटीपीए क्षमता तथा वड़ोडरा में 60000 एमटी के भंडारण की आधारभूत आयात सुविधा व्यवहार्यता के स्तर पर है।
- 1098 करोड़ रु. के निवेश से 1.0 एमएमटीपीए की क्षमता तथा 30000 एमटी के भंडारण वाले हल्दिया एलपीजी आयात टर्मिनल, बीपीसीएल को अभी हाल ही में शुरु किया गया है।

*****